NAAC Re-Accredited 'A' Grade
विद्या अमृतं अश्नुते
ESTD. 1963
RJC
ISO 9001:2015
Best College
UNIVERSITY OF MUMBAI

R. J. COLLEGE of Arts, Science & Commerce (AUTONOMOUS)

(Hindi Vidya Prachar Samiti's RAMNIRANJAN JHUNJHUNWALA COLLEGE of Arts, Science & Commerce)
Opposite Ghatkopar Railway Station, Ghatkopar (West), Mumbai 400086, Maharashtra, INDIA.
Website: www.rjcollege.edu.in Email: rjcollege@rjcollege.edu.in Tel No: +91 22 25151763 Fax No: +91 22 25150957
College is recognized under Section 2(f) & 12(B) of the UGC Act, 1956
Affiliated to UNIVERSITY OF MUMBAI II NAAC Re-Accredited 'A' Grade (CGPA: 3.50)

21vi Sadi ki Chunautiyan aur Hindi Katha Sahitya

NOTICE

रामनिरंजन झुनझुनवाला महाविद्यालय हिन्दी विभाग द्वारा आयोजित एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में सभी प्राध्यापक, शोधार्थी तथा साहित्य प्रेमी सादर आमंत्रित हैं।

विषय : **२१वीं सदी की चुनौतियाँ और हिंदी कथा साहित्य**

दिनांक : शनिवार २० जून, २०२०

समय : प्रातः १० बजे से

१. पंजीकरण (Registration) के लिए लिंक नीचे दिया गया है - https://www.rjcollege.edu.in/hindiwebinar2020/

२. टेलीग्राम ग्रुप लिंक (Telegram Group Link) - https://t.me/joinchat/RbYScBZuxMWfv9KwaLVKyw

- ✓ ***पंजीकरण फॉर्म भरना अनिवार्य है।***
- ✓ ***पंजीकरण करने के बाद Telegram Group Link से जुड़ जाएँ।***
- ✓ ***पंजीकरण निःशुल्क है।***
- ✓ ***वेबिनार Zoom पर आयोजित होगा।***
- ✓ ***लिंक एक दिन पहले आपके पंजीकृत टेलीग्राम ग्रुप और ईमेल आईडी पर भेज दी जाएगी।***
- ✓ ***प्रमाण पत्र जारी करने हेतु सभी सत्रों में उपस्थिति अनिवार्य है।***
- ✓ ***सभी प्रतिभागियों को फीडबैक फॉर्म भरना अनिवार्य है।***
- ✓ ***सभी प्रतिभागियों को ई-प्रमाण पत्र १५ दिनों में भेज जाएगा।***
- ✓ ***पंजीकरण की अंतिम तिथि १९ जून, २०२० सुबह ११.०० बजे तक है।***

आप सभी से सहयोग की कामना करते हैं। धन्यवाद सहित!

भवदीय,
MSharma
डॉ. मिथिलेश शर्मा
9321192900
(संयोजक)

Ramniranjan Jhunjhunwala College of Arts, Science & Commerce
Est. 1963
AUTONOMOUS
NAAC Re-accredited 'A' Grade
Ghatkopar (W), Mumbai-400 086, INDIA

I/c PRINCIPAL
RAMNIRANJAN JHUNJHUNWALA COLLEGE
OF ARTS, SCIENCE & COMMERCE (AUTONOMOUS)
Ghatkopar (W), Mumbai-400 086, Maharashtra, INDIA

हिन्दी विद्या प्रचार समिति
द्वारा संचालित

रामनिरंजन झुनझुनवाला महाविद्यालय (स्वायत्त)
घाटकोपर (प.) मुंबई - ४०००८६

हिन्दी विभाग द्वारा आयोजित
एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार

:- विषय -:

२१वीं सदी की चुनौतियाँ और हिंदी कथा साहित्य

शनिवार, २० जून, २०२० समय १० बजे से
(पंजीकरण निःशुल्क)

पंजीकरण की अंतिम तिथि १९ जून, २०२० सुबह ११.०० बजे तक है।

:- भवदीय -:

डॉ. मिथिलेश शर्मा
संयोजक, (हिन्दी विभागाध्यक्ष)

डॉ. हिमांशु दावडा
(प्राचार्य)

आप सभी सादर आमंत्रित हैं !

महाविद्यालय व हिंदी विभाग

हिंदी विद्या प्रचार समिति द्वारा संचालित रामनिरंजन झुनझुनवाला महाविद्यालय की स्थापना सन् १९६३ में देश और समाज में उच्च शिक्षा का अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से की गई। तब से आजतक हमारा महाविद्यालय निरंतर ऊंचाइयों की ओर अग्रसर है। राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (N.A.A.C.) द्वारा तृतीय चक्र में महाविद्यालय को ३.५० सी.जी.पी.ए. के साथ 'ए' ग्रेड प्रदान किया गया है।

रामनिरंजन झुनझुनवाला महाविद्यालय की स्थापना के साथ आरंभ हुए हिंदी विभाग को मुंबई विश्वविद्यालय का मुंबई महानगर में पहला हिंदी स्नातकोत्तर केंद्र आरंभ करने का गौरव प्राप्त है। साथ ही, महाविद्यालय को हिंदी विषय में पी-एच.डी. (शोधकेंद्र) की भी अनुमति प्राप्त है। हिंदी विभाग अपने विद्यार्थियों के समग्र विकास को ध्यान में रखकर अनेक रचनात्मक प्रतियोगिताओं, अतिथि व्याख्यानों, कार्यशालाओं एवं राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय परिसंवादों का आयोजन करता आ रहा है।

विषय की प्रासंगिकता

२१वीं सदी के दो दशक बीत रहे हैं अपने आगाज़ में ढेर सारी उत्सुकता और संभावनाओं को छिपाए हुए यह सदी जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है वैसे-वैसे इसकी जटिलताएं व चुनौतियाँ हमारे सामने आ रही हैं। भारत जैसे विकासशील देश में इन जटिलताओं को और भी शिद्दत से महसूस किया जा सकता है। लचर अर्थव्यवस्था व संसाधनों की कमी तथा विपुल जनसंख्या ने अनेक समस्याओं को जन्म दिया है। इस भयंकर स्थिति में भूमंडलीकरण ने भी कुछ चुनौतियाँ खड़ी की है।

इस नई व्यवस्था की कोख से उपजी कंगाली व गरीबी ने अनेक सामाजिक समस्याओं को उत्पन्न किया है। आर्थिक बदहाली के साथ-साथ सांस्कृतिक मोर्चे पर भी अनेक तरह की समस्याएं खड़ी हुई हैं। अपसंस्कृति व सामाजिक मूल्यों के विघटन ने स्थानीय संस्कृति व सामाजिक संस्थाओं के अस्तित्व को जबरदस्त चोट पहुंचाई है। बढ़ती गरीबी, बेरोजगारी, जन व तकनीकी आधारित भ्रष्टाचार, पूंजी के असमान वितरण ने २१वीं सदी को अधिक लाभ कमाने की दृष्टि से उन्माद की सदी के रूप में बदल दिया है। इसका प्रभाव समाज के तमाम क्षेत्रों पर पड़ा है। संबंधों के मानवीय आधार अब धीरे-धीरे खिसक रहे हैं। मानवीय संबंध अब लोभ-लाभ व आर्थिक मुनाफे के समीकरणों द्वारा निर्धारित हो रहे हैं। परिवार, विवाह, मित्रता, परंपराओं का पालन व परिष्करण, स्त्री-पुरुष संबंध, व्यक्ति व समाज के बीच का तादात्म्य सभी अपनी मूल चेतना से दूर व भ्रष्ट हुए हैं। पर्यावरण असंतुलन व युद्धोन्माद भी इसी व्यवस्था की देन है। कोरोना जैसी महामारी भी इसी उन्माद की एक कड़ी मानी जा रही है।

२१वीं सदी के विकास के साथ यह जटिलताएं और चुनौतियाँ भी बढ़ रही हैं। ज्यादातर सरकारें इन जटिलताओं को समझते हुए भी मौन हैं। सच्चाई को सामने लाने के खतरे को वे भी नहीं छूना चाहती पर हमारा साहित्य इन समस्याओं और जटिलताओं को लेकर निरंतर मुखर रहा है। विशेष रूप से २१वीं सदी का हिंदी कथा साहित्य इन जटिलताओं के सभी पक्षों को पूरी ईमानदारी व प्रतिबद्धता के साथ जनता के सामने अभिव्यक्त कर रहा है।

यह परिसंवाद इन्हीं चुनौतियों व जटिलताओं को हिंदी कथा साहित्य के विविध संदर्भों द्वारा चिन्हित व उद्घाटित करने की दिशा में एक लघु प्रयास है।

कार्यक्रम की रूपरेखा

उद्घाटन सत्र (प्रातः १० बजे से ११ बजे तक)

अध्यक्ष : श्री कमलाकांत त्रिपाठी, वरिष्ठ कथाकार, बेलगाम, कर्नाटक

बीज वक्तव्य : श्री पंकज सुबीर, सुप्रसिद्ध कथाकार एवं समीक्षक, मध्य प्रदेश

मुख्य अतिथि : प्रो. नीतू गुप्ता, सुप्रसिद्ध साहित्यकार, कैलिफोर्निया, अमेरिका

विशिष्ट अतिथि : डॉ. राजेन्द्र सिंह, सचिव, हिन्दी विद्या प्रचार समिति, मुंबई

स्वागत वक्तव्य : डॉ. हिमांशु दावडा, प्राचार्य, आर. जे. महाविद्यालय, मुंबई

प्रस्ताविकी : डॉ. मिथिलेश शर्मा, अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, आर. जे. महाविद्यालय, मुंबई

आभार : डॉ. रेखा शर्मा, अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, भवन्स महाविद्यालय, मुंबई

प्रथम सत्र (प्रातः ११ बजे से दोपहर १२.३० बजे तक)

२१वीं सदी की चुनौतियाँ और हिन्दी कहानी

अध्यक्ष :	**डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय**, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष हिंदी विभाग, मुंबई विश्वविद्यालय
मुख्य अतिथि :	**प्रो. सुधांशु कुमार शुक्ल**, अध्यक्ष ICCR, वारसॉ विश्वविद्यालय, पोलैंड
	प्रो. उपुल रंजीत, अध्यक्ष, हिंदी विभाग, केलानिया विश्वविद्यालय, श्रीलंका
विशिष्ट अतिथि :	**डॉ. मदन मोहन शर्मा**, प्रोफेसर, हिन्दी विभाग, सरदार पटेल विश्वविद्यालय, गुजरात
	डॉ. बी. एल. गौड़, सुप्रसिद्ध साहित्यकार एवं पत्रकार, दिल्ली
विशेष वक्तव्य :	**डॉ. उषा मिश्रा**, एसोसिएट प्रोफेसर, हिन्दी विभाग, एस एन डी टी वाड़ महिला महाविद्यालय, मुंबई
संचालन :	**डॉ. प्रवीण चंद्र बिष्ट**, अध्यक्ष, हिंदी विभाग, रुइया महाविद्यालय, मुंबई
आभार :	**डॉ. उर्मिला सिंह**, अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, के. ई. एस. श्रॉफ महाविद्यालय, मुंबई

भोजनावकाश (दोपहर १२.३० बजे से १.३० बजे तक)

द्वितीय सत्र (अपराह्न १.३० बजे से ३:३० बजे तक)

२१वीं सदी की चुनौतियाँ और हिन्दी उपन्यास

अध्यक्ष :	**प्रो. शीतला प्रसाद दुबे**, कार्याध्यक्ष, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी, मुंबई
मुख्य अतिथि :	**डॉ. विनय गुदारी**, एसोसिएट प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, हिंदी विभाग, महात्मा गांधी संस्थान, मोका, मॉरीशस
	डॉ. सतीश पांडेय, पूर्व हिंदी विभागाध्यक्ष, के. जे. सोमैया महाविद्यालय, विद्याविहार, मुंबई
विशिष्ट अतिथि :	**डॉ. श्यामसुंदर पांडेय**, विजिटिंग फेलो, टोक्यो यूनिवर्सिटी ऑफ फॉरेन स्टडीज, टोक्यो, जापान
	डॉ. नीरज भारद्वाज, सुप्रसिद्ध साहित्यकार, दिल्ली
विशेष वक्तव्य :	**डॉ. जयश्री सिंह**, सहायक प्राध्यापक, जोशी बेडेकर महाविद्यालय, ठाणे
	डॉ. मनीष मिश्रा, अध्यक्ष, हिंदी विभाग, के.एम. अग्रवाल महाविद्यालय, कल्याण
संचालन :	**डॉ. अंजना विजन**, अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, आर. डी. नेशनल महाविद्यालय, मुंबई
आभार :	**प्रा. गुप्ता अशोक कुमार**, आर. जे. महाविद्यालय, घाटकोपर, मुंबई

समापन सत्र (अपराह्न ३.३० बजे से शाम ४.३० बजे तक)

अध्यक्ष :	**डॉ. दामोदर खड़से**, वरिष्ठ कथाकार, पुणे
मुख्य अतिथि :	**डॉ. उषा मुकुंदन**, निदेशक, आर. जे. महाविद्यालय, घाटकोपर, मुंबई
	डॉ. सुनीता साखरे, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, हिंदी विभाग, एस. एन. डी. टी. विश्वविद्यालय, मुंबई
विशिष्ट अतिथि :	**डॉ. अनिल सिंह**, अध्यक्ष, हिंदी विभाग, सोनुभाऊ बसवंत महाविद्यालय, शहापुर
	डॉ. हिमांशु दावडा, प्राचार्य, आर. जे. महाविद्यालय, मुंबई
विशेष वक्तव्य :	**प्रा. दिनेश पाठक**, अध्यक्ष, हिंदी विभाग, एस. आइ. ई. एस. महाविद्यालय, मुंबई
मन्तव्य :	**डॉ. विद्या शिंदे**, अध्यक्ष, हिंदी विभाग, के. एम. सी. महाविद्यालय, खपोली
	डॉ. रत्ना शर्मा, अध्यक्ष, हिंदी विभाग, साठये महाविद्यालय, मुंबई
	डॉ. अनंत द्विवेदी, अध्यक्ष, हिंदी विभाग, साकेत महाविद्यालय, कल्याण
संचालन :	**डॉ. सत्यवती चौबे**, अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, विल्सन महाविद्यालय, मुंबई
आभार :	**डॉ. मिथिलेश शर्मा**, अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, आर. जे. महाविद्यालय, घाटकोपर, मुंबई

Ramniranjan Jhunjhunwala College of Arts, Science & Commerce · Est. 1963 · AUTONOMOUS · NAAC Re-accredited 'A' Grade

I/c PRINCIPAL
RAMNIRANJAN JHUNJHUNWALA COLLEGE
OF ARTS, SCIENCE & COMMERCE (AUTONOMOUS)
Ghatkopar (W), Mumbai-400 086, Maharashtra, INDIA

उद्घाटन सत्र

श्री कमलाकांत त्रिपाठी, वरिष्ठ कथाकार, बेलगाम, कर्नाटक

श्री पंकज सुबीर, सुप्रसिद्ध कथाकार एवं समीक्षक, मध्य प्रदेश

प्रो. नीलू गुप्ता, सुप्रसिद्ध साहित्यकार, कैलिफोर्निया, अमेरिका

प्रथम सत्र

डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, हिंदी विभाग, मुंबई विश्वविद्यालय

प्रो. सुधांशु कुमार शुक्ल, अध्यक्ष, ICCR, वारसॉ विश्वविद्यालय, पोलैंड

प्रो. उपुल रंजीत, अध्यक्ष, हिंदी विभाग, केलनिया विश्वविद्यालय, श्रीलंका

डॉ. मदन मोहन शर्मा, प्रोफेसर, हिन्दी विभाग, सरदार पटेल विश्वविद्यालय, गुजरात

डॉ. बी. एल. गौड़, सुप्रसिद्ध साहित्यकार एवं पत्रकार, दिल्ली

डॉ. उषा मिश्रा, एसोसिएट प्रोफेसर, हिन्दी विभाग, एम. एम. पी. शाह महिला महाविद्यालय, मुंबई

द्वितीय सत्र

प्रो. शीतला प्रसाद दुबे, कार्याध्यक्ष, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी, मुंबई

डॉ. विनय गुदारी, असोसीएट प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, हिंदी विभाग, महात्मा गांधी संस्थान, मोका, मॉरीशस

डॉ. सतीश पांडेय, पूर्व हिंदी विभागाध्यक्ष, के. जे. सोमैया महाविद्यालय, विद्याविहार, मुंबई

डॉ. श्यामसुंदर पांडेय, विज़िटिंग प्रोफेसर, टोक्यो यूनिवर्सिटी ऑफ फॉरेन स्टडीज़, टोक्यो, जापान

डॉ. नीरज भारद्वाज, सुप्रसिद्ध साहित्यकार, दिल्ली

डॉ. जयश्री सिंह, सहायक प्राध्यापक, जोशी बेडेकर महाविद्यालय, ठाणे

डॉ. मनीष मिश्रा, अध्यक्ष, हिंदी विभाग, के.एम. अग्रवाल महाविद्यालय, कल्याण

समापन सत्र

डॉ. सुनीता साखरे, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, हिंदी विभाग, एस. एन. डी. टी. विश्वविद्यालय, मुंबई

डॉ. अनिल सिंह, अध्यक्ष, हिंदी विभाग, सोनुभाऊ बसवंत महाविद्यालय, शहापुर

Ramniranjan Jhunjhunwala College of Arts, Science & Commerce
Est. 1963
AUTONOMOUS
NAAC
Re-accredited
'A' Grade
Ghatkopar (W), Mumbai-400 086, INDIA

I/c PRINCIPAL
RAMNIRANJAN JHUNJHUNWALA COLL
OF ARTS, SCIENCE & COMMERCE (AUTONOM
Ghatkopar (W), Mumbai-400 086, Maharashtra,

ENGLISH REPORT

- Hindi Dept. organized a one-day International Webinar on June 20, 2020 on the topic Themed on **"21vi Sadi ki Chunautiyan aur Hindi Katha Sahitya"**. The webinar was divided in four sessions "Inaugural Session", First Session on **"21vi Sadi ki Chunautiyan aur Hindi Kahani",** Second Session on **"21vi Sadi ki Chunautiyan aur Hindi Upanyas"** and the closing session for the Webinar. Many Eminent speakers graced the occasion from across the globe. The Webinar was inaugurated by Mr. Pankaj Subir, Famous Story Writer and Critic. Professor Nilu Gupta, Famous Litterateur from California was the Chief Guest and Mr. Kamalakant Tripathi, Senior Story Writer from Karnataka Presided the Inaugural function of the program.

For the First Session, Dr. Madan Mohan Sharma, Professor, Hindi Dept, S. P. University, Gujarat and Dr. B. L. Gaud, Famous Litterateur and Journalist, Delhi were invited as Special Guests. Dr. Sudhanshu Kumar Shukl, HoD – ICCR, Warsaw University, Poland and Professor Upul Ranjit, HoD – Hindi Dept., Kelaniya University, Srilanka were invited as Chief Guests and Dr. Karunashankar Upadhyay, Professor and HoD – Hindi Dept., University of Mumbai presided the First Session of the Webinar "**21vi Sadi ki Chunautiyan aur Hindi Kahani**".

For the Second Session, Dr. Shyam Sundar Pandey, Visiting Professor, Tokyo University of Foreign Studies, Tokyo, Japan and Dr. Neeraj Bharadwaj, Famous Litterateur, Delhi were invited as Special Guests. Dr. Vinaye Goodary, Associate Professor and HoD – Hindi Dept., Mahatma Gandhi Institute, Moka, Mauritius and Dr. Satish Pandey, Ex-HoD – Hindi Dept., K J Somaiyya College, Mumbai, were invited as Chief Guests and Dr. Shitala Prasad Dubey, HoO – Maharashtra Rajya Hindi Sahitya Academy, Mumbai presided the Second Session of the Webinar "**21vi Sadi ki Chunautiyan aur Hindi Upanyas**".

For the Closing Session, Dr. Anil Singh, HoD – Hindi Dept., Sonubhau Baswant College, Shahapur and Dr. Himanshu Dawada, Principal, RJ College, Mumbai were invited as Special Guests. Dr. Usha Mukundan, Director, RJ College, Mumbai and Dr. Sunita Sakhare, Professor and HoD – Hindi Dept., SNDT University, were invited as Chief Guests and Dr. Damodar Khadse, Senior Story Writer, presided the Closing Session of the Webinar.

Ramniranjan Jhunjhunwala College of Arts, Science & Commerce, Est. 1963, AUTONOMOUS, NAAC Re-accredited 'A' Grade, Ghatkopar (W), Mumbai-400 086, INDIA

I/c PRINCIPAL
RAMNIRANJAN JHUNJHUNWALA COLLEGE
OF ARTS, SCIENCE & COMMERCE (AUTONOMOUS)
Ghatkopar (W), Mumbai-400 086, Maharashtra, INDIA

Program Link - https://youtu.be/hUlqxCRe27Q

HINDI REPORT

आर. जे. महाविद्यालय में एक दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय वेबिनार संपन्न

घाटकोपर स्थित हिंदी विद्या प्रचार समिति द्वारा संचालित रामनिरंजन झुनझुनवाला महाविद्यालय के हिंदी विभाग की ओर से एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार "इक्कीसवीं सदी की चुनौतियां और हिंदी कथा साहित्य" विषय पर संपन्न हुआ। इक्कीसवीं सदी के विकास आधारित समाज में बाजारवाद, उपभोक्तावाद, साम्प्रदायिकता, बेरोजगारी, जीवनमूल्यों में विघटन, आधुनिक जीवनशैली आदि से उपजी सामाजिक समस्याएं तथा इन समस्याओं को कथा साहित्य में पिरोने की चुनौतियों पर सार्थक व विस्तृत चर्चा की गई। सरस्वती वंदना से प्रारंभ किए गए वेबिनार में स्वागत वक्तव्य प्राचार्य डॉ. हिमांशु दावड़ा, आशीर्वचन हिंदी विद्या प्रचार समिति के सचिव डॉ. राजेन्द्र सिंह तथा प्रस्ताविकी हिंदी विभागाध्यक्षा डॉ. मिथिलेश शर्मा ने दिया।

उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता वरिष्ठ कथाकार श्री कमलाकांत त्रिपाठी जी ने तथा बीज वक्तव्य कथाकार श्री पंकज सुबीर जी ने दिया। मुख्य अतिथि के रूप में कैलिफोर्निया की सुप्रसिद्ध प्रवासी साहित्यकार प्रो. नीलू गुप्ता जी उपस्थिति रहीं। संचालन डॉ. मिथिलेश शर्मा ने तथा अतिथियों को आभार डॉ. रेखा शर्मा की ने दिया।

प्रथम सत्र की अध्यक्षता करते हुए, मुंबई विश्वविद्यालय के हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय जी इक्कीसवीं सदी की चुनौतियां और हिंदी कहानी पर काफी प्रभावपूर्ण वक्तव्य दिए। मुख्य अतिथि के रूप में वारसॉ विश्वविद्यालय, पोलैंड से प्रो. सुधांशु कुमार शुक्ल तथा केलनिया विश्वविद्यालय, श्रीलंका से प्रो. उपुल रंजीत जी उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में सरदार

Ramniranjan Jhunjhunwala College of Arts, Science & Commerce ★ Est. 1963 ★ AUTONOMOUS ★ NAAC Re-accredited 'A' Grade ★ Ghatkopar (W), Mumbai-400 086, INDIA

I/c PRINCIPAL
RAMNIRANJAN JHUNJHUNWALA COLLEGE
OF ARTS, SCIENCE & COMMERCE (AUTONOMOUS)
Ghatkopar (W), Mumbai-400 086, Maharashtra, INDIA

हिन्दी विद्या प्रचार समिति द्वारा संचालित

रामनिरंजन झुनझुनवाला महाविद्यालय (स्वायत्त)

हिन्दी विभाग द्वारा (मुंबई विश्वविद्यालय के सहयोग से) आयोजित

MUMBAI UNIVERSITY
मुंबई विश्वविद्यालय
कलिना, मुंबई - ४०० ०९८.

एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय वेबिनार

२१वीं सदी की चुनौतियाँ और हिन्दी कथा साहित्य

प्रमाण – पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि

डॉ. दामोदर खड़से, वरिष्ठ कथाकार, पुणे

ने दिनांक: २० जून, २०२० को आयोजित एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय वेबिनार में अध्यक्ष के रूप में अपने सक्रिय योगदान से आयोजन को सफल बनाया।

डॉ. (श्रीमती) मिथिलेश शर्मा
हिन्दी विभागाध्यक्ष एवं संयोजक
आर. जे. महाविद्यालय

डॉ. हिमांशु दावड़ा
प्राचार्य,
आर. जे. महाविद्यालय

Certificate ID: RJC-HIN-20062020-623

Ramniranjan Jhunjhunwala College of Arts, Science & Commerce
Est. 1963
AUTONOMOUS
NAAC Re-accredited 'A' Grade
Ghatkopar (W), Mumbai-400 086, INDIA

PRINCIPAL
RAMNIRANJAN JHUNJHUNWALA COLLEGE
OF ARTS, SCIENCE & COMMERCE (AUTONOMOUS)
Ghatkopar (W), Mumbai-400 086, Maharashtra, INDIA

PHOTOS

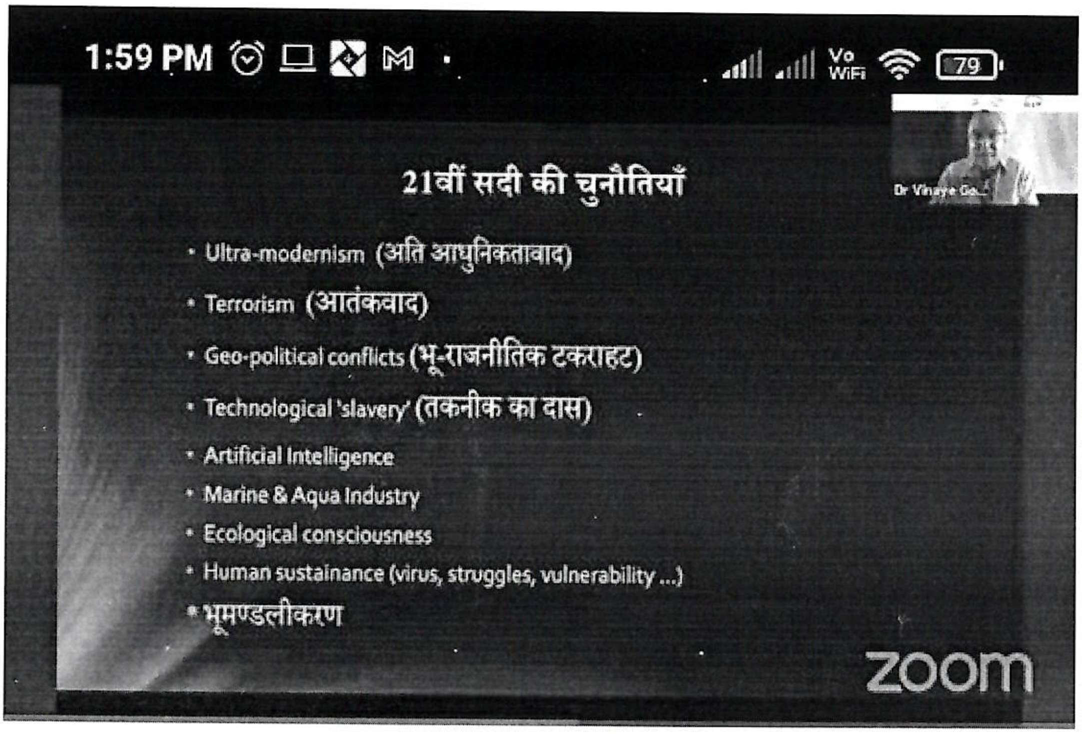

I/c PRINCIPAL
RAMNIRANJAN JHUNJHUNWALA COLLEGE
OF ARTS, SCIENCE & COMMERCE (AUTONOMOUS)
Ghatkopar (W), Mumbai-400 086, Maharashtra, INDIA

NAAC Re-Accredited 'A' Grade
विद्या अमृतं अश्नुते
ESTD. 1963
RJC
ISO 9001:2015
Best College
UNIVERSITY OF MUMBAI

R. J. COLLEGE of Arts, Science & Commerce (AUTONOMOUS)

(Hindi Vidya Prachar Samiti's RAMNIRANJAN JHUNJHUNWALA COLLEGE of Arts, Science & Commerce)
Opposite Ghatkopar Railway Station, Ghatkopar (West), Mumbai 400086, Maharashtra, INDIA.
Website: www.rjcollege.edu.in Email: rjcollege@rjcollege.edu.in Tel No: +91 22 25151763 Fax No: +91 22 25150957
College is recognized under Section 2(f) & 12(B) of the UGC Act, 1956
Affiliated to UNIVERSITY OF MUMBAI II NAAC Re-Accredited 'A' Grade (CGPA: 3.50)

अन्तर्राष्ट्रीय हिंदी वेबिनार - 21वीं सदी की चुनौतियाँ और हिंदी कथा साहित्य

4.6K views · Streamed 10 months ago

Ramniranjan Jhunjhunwala College of Arts, Science & Commerce
Est. 1963
AUTONOMOUS
NAAC Re-accredited 'A' Grade
Ghatkopar (W), Mumbai-400 086, INDIA

PRINCIPAL
RAMNIRANJAN JHUNJHUNWALA COLLEGE
OF ARTS, SCIENCE & COMMERCE (AUTONOMOUS)
Ghatkopar (W), Mumbai-400 086, Maharashtra, INDIA